SAMPLE QUESTION PAPER - 6
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्मसंस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है-चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता ही से उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्मनिर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है।

युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता से व्यवहार करे, ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है-हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत-से अवगुण और थोड़े गुण-सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए।

नम्रता से मेरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है, जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है, जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही है, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।

1. सच्ची आत्मा किसे कहा गया है? **(1)**
   (क) जिसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं।
   (ख) जो मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है।
   (ग) जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।
   (घ) जिससे संकल्प क्षीण और प्रज्ञा मंद हो जाती है।
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
   कथन (A): नम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।
   कारण (R): आत्मसंस्कार के लिए मानसिक स्वतंत्रता जरूरी है, जो नम्रता से उत्पन्न होती है।
   विकल्प:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. नम्रता, अनिवार्य का विलोम लिखिए। **(1)**

(क) नम्रता - विनम्रता , अनिवार्य - ऐच्छिक

(ख) नम्रता - उदंडता, अनिवार्य - आवश्यक

(ग) नम्रता - झुकना, अनिवार्य - ज़रूरी

(घ) नम्रता - आनंद, अनिवार्य - बहुमूल्य

4. 'विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। **(2)**

5. मर्यादापूर्वक जीने के लिए किन गुणों का होना अनिवार्य है और क्यों? **(2)**

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

प्रजातंत्र के तीन मुख्य अंग हैं-कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका। प्रजातंत्र की सार्थकता एवं दृढ़ता को ध्यान में रखते हुए और जनता के प्रहरी होने की भूमिका को देखते हुए मीडिया (दृश्य, श्रव्य और मुद्रित) को प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में देखा जाता है। समाचार-माध्यम या मीडिया को पिछले वर्षों में पत्रकारों और समाचार-पत्रों ने एक विश्वसनीयता प्रदान की है और इसी कारण विश्व में मीडिया एक अलग शक्ति के रूप में उभरा है।

कार्यपालिका और विधायिका की समस्याओं, कार्य-प्रणाली और विसंगतियों की चर्चा प्राय: होती रहती है और सर्वसाधारण में वे विशेष चर्चा के विषय रहते ही हैं। इसमें समाचार-पत्र, रेडियो और टी०वी० समाचार अपनी टिप्पणी के कारण चर्चा को आगे बढ़ाने में योगदान करते हैं, पर न्यायपालिका अत्यंत महत्वपूर्ण होने के बावजूद उसके बारे में चर्चा कम ही होती है। ऐसा केवल अपने देश में ही नहीं, अन्य देशों में भी कमोबेश यही स्थिति है।

स्वराज-प्राप्ति के बाद और एक लिखित संविधान के देश में लागू होने के उपरांत लोकतंत्र के तीनों अंगों के कर्तव्यों, अधिकारों और दायित्वों के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ी है। संविधान-निर्माताओं का उद्देश्य रहा है कि तीनो अंग परस्पर ताल-मेल से कार्य करेंगे। तीनों के पारस्परिक संबंध भी संविधान द्वारा निर्धारित, फिर भी समय के साथ-साथ कुछ समस्याएँ उठ खड़ी होती हैं। आज लोकतंत्र यह महसूस करता है कि न्यायपालिका में भी अधिक पारदर्शिता हो, जिससे उसकी प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़े।

'जिस देश में पंचों को परमेश्वर मानने की परंपरा, वहाँ न्यायमूर्तियों पर आक्षेप दुर्भाग्यपूर्ण है।'

1. लोकतंत्र का चौथा अंग किसे माना जाता है? **(1)**

(क) मीडिया

(ख) कार्यपालिका

(ग) विधायिका

(घ) न्यायपालिका

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): मीडिया को प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह सरकार की कार्यप्रणाली और समाज की समस्याओं पर प्रकाश डालता है।

कारण (R): न्यायपालिका के बारे में चर्चा कम होने के कारण, न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता महसूस की जाती है।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. मीडिया के कोई दो उदाहरण दीजिए। **(1)**

(क) रेडियो और टेलिस्कोप

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) समाचार-पत्र और रेडियो

(ग) टेलीविज़न और पुस्तक

(घ) धार्मिक ग्रंथ

4. लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **(2)**

5. अत्यंत महत्वपूर्ण अंग होने के बावजूद न्यायपालिका के बारे में मीडिया में कम चर्चा क्यों होती है? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. **महँगी खरीदी हुई शॉल** फट गई है। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

ii. अब दरवाजा खोला जा सकता है। **क्रिया पदबंध** को पहचान कर लिखिए।

iii. **सामने की दुकान पर चाय पीने वाला** लड़का अपने घर चला गया। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iv. चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे? इस वाक्य में **सर्वनाम पदबंध** कौन सा है?

v. दशरथ पुत्र राम ने रावण को मार गिराया। **संज्ञा पदबंध** की पहचान कीजिए ।

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

i. रात होते ही आकाश में तारों का मेला लग गया। (मिश्र वाक्य)

ii. वह मुंबई गया। उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया। (संयुक्त वाक्य)

iii. नीरजा ने कहानी सुनाई। नमिता रो पड़ी (सरल वाक्य)

iv. उसके पिता जी की इच्छा थी। उनका बेटा वकील बने। (मिश्र वाक्य)

v. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में परिवर्तन आया। **(मिश्र वाक्य में)**

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. द्वंद्व समास में दोनों पदों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **[1]**

ii. 'अव्ययीभाव समास' के उदाहरण देकर पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका बताइए। **[1]**

iii. 'तत्पुरुष समास' के भेदों को उदाहरण सहित समझाइए। **[1]**

iv. 'विद्युत्मान' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। **[1]**

v. 'अव्ययीभाव समास' की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**
सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ चलाने के बाद भी गरीबों की स्थिति _____ । (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**
पुलिस की पहरेदारी के बाद भी चोर _____। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'नौ दो ग्यारह होना' और 'पांचों उंगलियां घी में होना' में अंतर समझाइए। **[1]**

iv. 'बाल की खाल निकालना' मुहावरे का वाक्य बनाइए। **[1]**

v. "उसके व्याख्यान में गागर में सागर भरने की कला है।" इस वाक्य का मुहावरा पहचानकर प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सेवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ़्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब न सोलोमेन है जो उनकी जुबान को समझकर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुखों में सारी रात नमाज़ों में काटे।

i. दोनों कबूतर आपके घर के बाहर खामोश और उदास क्यों बैठे रहते हैं?

क) उनकी उदासी को समझने वाला कोई नहीं है
ख) उनकी जुबान को समझ इनका दुख बांटने वाला कोई नहीं है
ग) वह बोल नहीं सकते
घ) उनके रहने की जगह छीन ली गई है

ii. छोटे कबूतरों को खाना खिलाने की जिम्मेदारी किसकी है?

क) लेखक की पत्नी को
ख) लेखक को
ग) उनकी खुद की जिम्मेदारी है
घ) बड़े कबूतरों को

iii. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है।

कारण (R): इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

iv. कबूतरों को उनके बच्चों से क्यों अलग कर दिया गया?

क) लेखक के परिवार को बहुत परेशान करते थे
ख) वे अपना दुख किसी से कह नहीं सकते
ग) उनके रहने की जगह सही नहीं थी
घ) अब उनके दुख को समझने वाला कोई नहीं है

v. लेखक का घर अभी जहाँ है, वहाँ पहले क्या था?

क) जंगल
ख) कार्यालय
ग) बाजार
घ) कारखाने

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. 'बड़े भाई साहब' कहानी में बड़े भाई द्वारा घमंड को एक बुराई के रूप में दिखाया गया है। घमंड का विरोध करने के लिए बड़े भाई द्वारा कौन-कौन से उदाहरण दिए गए हैं ? **[2]**

ii. **तताँरा-वामीरो कथा** के अनुसार गाँव वाले तताँरा के सदाचारी व्यक्तित्व से परिचित और प्रभावित थे फिर भी वामीरो के मामले में उन्होंने उसका साथ क्यों नहीं दिया? **[2]**

iii. वज़ीर अली के मन में अंग्रेज़ो के प्रति नफ़रत क्यों थी? कारतूस पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. **तीसरी कसम** फिल्म को **सैल्यूलाइड पर लिखी कविता** क्यों कहा गया है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों

i. **राह कुर्बानियों की न वीरान हो** - से क्या तात्पर्य है?

क) सैनिक सोच-समझकर आगे बढ़ें। ख) बलिदानी सैनिक आगे बढ़ने की सोच में रहे।

ग) सैनिक देश के बारे में सोचते रहें। घ) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे।

ii. सैनिक किसे सजाने के लिए कह रहे हैं?

क) जश्न मनाने वालों को ख) भारतमाता को

ग) बलिदानी सैनिकों के काफिलों को घ) देश की कुर्बानियों को

iii. **सर पर कफ़न बाँधने** के माध्यम से किस ओर संकेत किया गया है?

क) देश पर बलिदान होने की ओर ख) सिर बचाने की ओर

ग) सिर पर मुकुट बाँधने की ओर घ) जीवित रहने की ओर

iv. **फ़तह का जश्न** से क्या तात्पर्य है?

क) बलिदान की खुशी ख) आगे बढ़ने की खुशी

ग) मृत्यु की खुशी घ) जीत की खुशी

v. काव्यांश में प्रयुक्त 'काफ़िले' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?

क) सेवकों के लिए ख) देश पर मर मिटने वालों के लिए

ग) युवाओं के लिए घ) तीर्थ यात्रियों के लिए

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **मीराबाई** रचित **द्वितीय पद** के अनुसार अपने आराध्य को पाने के लिए मीरा क्या-क्या करना चाहती हैं और क्यों? **[2]**

ii. **पर्वतीय प्रदेश में पावस** कविता में झरनों का वर्णन किस रूप में हुआ है? अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

iii. **मनुष्यता** कविता में कवि ने कैसे जीवन को व्यर्थ बताया है, और क्यों? **[2]**

iv. **तोप** कविता के आलोक में विरासत में मिली चीज़ों के महत्त्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण, उसके चरित्र की किस सच्चाई को सामने लाता है? इससे ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओं के प्रति आपके मन में कैसी धारणा बनती है? इस विषय में अपने विचार लिखिए। **[3]**

ii. **सपनों के-से दिन** पाठ के अभिभावकों की तरह आजकल के कुछ अभिभावक अपने बच्चों को खेलकूद में रुचि लेने से रोकते हैं, और समय बरबाद न करने की सलाह देते हैं। क्या बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए यह सही है? तर्क सहित अपने विचार लिखिए। **[3]**

iii. आपका घनिष्ठ मित्र दूसरे मज़हब का है, आपके घर पर उसका आदर-सत्कार किस प्रकार होता है? **टोपी शुक्ला** पाठ के संदर्भ में विस्तार से उत्तर दीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **जल ही जीवन है** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- जल का महत्त्व
- संरक्षण
- जल-चेतना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. **परहित सरिस धर्म नहि भाई** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

संकेत बिंदु-

- अर्थ
- जीवन की सार्थकता
- आनंद का स्रोत

iii. **वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

13. नगर निगम को एक पत्र लिखिए जिसमें नालियों की सफ़ाई एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का सुझाव हो। **[5]**

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शुल्क-मुक्ति (फीस माफ) करने हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।

14. आप सोसाइटी के अध्यक्ष हैं। सोसाइटी को स्वस्छ रखने हेतु सूचनापट्ट पर 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। **[4]**

अथवा

सागर अपार्टमेन्ट के सचिव की ओर से अपार्टमेन्ट में रहने वाले लोगों को जल की बर्बादी रोकने हेतु 50 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

15. सैल फ़ोन विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित करने के लिए विज्ञापन का प्रारूप लगभग **40** शब्दों में तैयार कीजिए जिसमें आपके पिताजी द्वारा बेची जाने वाली कार की विस्तृत जानकारी दी गई हो।

16. विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को एक ईमेल लिखिए क्योंकि आपको बुखार आ गया है। **[5]**

अथवा

सफलता की सीढ़ी-परिश्रम विषय पर एक लघुकथा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ग) जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) नम्रता - उदंडता, अनिवार्य - ऐच्छिक
   4. किसी भी व्यक्ति में स्वतंत्रता का भाव आते ही उसके मन में अहंकार आ जाता है। इस अहंकार के कारण वह अपनी मनुष्यता खो बैठता है। इससे व्यक्ति के आचरण में इतना बदलाव आ जाता है कि वह दूसरों को खुद से हीन समझने लगता है। ऐसे में स्वतंत्रता के साथ विनम्रता का होना आवश्यक है, अन्यथा स्वतंत्रता अर्थहीन हो जाएगी।
   5. मर्यादापूर्वक जीवन जीने के लिए मानसिक स्वतंत्रता आवश्यक है। इस स्वतंत्रता के साथ नम्रता का मेल होना आवश्यक है। इससे व्यक्ति में आत्मनिर्भरता आती है। आत्मनिर्भरता के कारण वह परमुखापेक्षी नहीं रहता। उसे अपने पैरों पर खड़ा होने की कला आ जाती है।
2. 1. (क) लोकतंत्र के तीन मुख्य अंग हैं-कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका। चौथा अंग मीडिया को माना जाता है। इसमें दृश्य, श्रव्य व मुद्रित मीडिया होते हैं।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) समाचार-पत्र, रेडियो और टी०वी०
   4. लोकतंत्र में मीडिया की अहं भूमिका है। यह कार्यपालिका व विधायिका की समस्याओं, कार्य-प्रणाली तथा विसंगतियों की चर्चा करती है, पर न्यायपालिका पर किसी प्रकार की टिप्पणी करने से बचती है।
   5. न्यायपालिका प्रजातंत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, परंतु इसकी चर्चा मीडिया में कम होती है, क्योंकि उसमें पारदर्शिता अधिक होती है। दूसरे, न्यायपालिका अपने विशेषाधिकारों के प्रयोग से मीडिया को दबा देती है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. विशेषण पदबंध
   ii. खोला जा सकता है।
   iii. विशेषण पदबंध
   iv. सर्वनाम पदबंध
   v. दशरथ पुत्र राम
4. i. जैसे ही रात हुई वैसे ही आकाश में तारों का मेला लग गया।
   ii. वह मुंबई गया और उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया।
   iii. नीरजा की कहानी सुनकर नमिता रो पड़ी।
   iv. उसके पिता जी की इच्छा थी कि उनका बेटा वकील बने।
   v. जब ततहाँरा वामीरो से मिला तब उसके जीवन में परिवर्तन आया।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) द्वंद्व समास में दोनों पद एक-दूसरे के समान होते हैं और दोनों मिलकर एक संयुक्त अर्थ उत्पन्न करते हैं। उदाहरण - "पुस्तकालय" (पुस्तक + पुस्तकालय) में दोनों शब्द समान रूप से जुड़े हुए हैं।
   (ii) अव्ययीभाव समास में पूर्व पद एक अव्यय होता है जो मुख्य रूप से किसी क्रिया, संज्ञा या विशेषण के साथ जुड़ा होता है।
   उदाहरण: "यथाशक्ति" (शक्ति के अनुसार) में "यथा" (पूर्व पद) अव्यय है और "शक्ति" (उत्तर पद) एक संज्ञा है।
   (iii)
   - **भेद:**
     - निष्ठा भेद: जिसमें एक शब्द विशेषण हो।
     - साधक भेद: जिसमें एक शब्द क्रिया हो।
   - **उदाहरण:**
     - "द्वारपाल" (द्वार + पाल) - द्वार की रक्षा करने वाला।
     - "ज्ञानवर्धन" (ज्ञान + वर्धन) - ज्ञान को बढ़ाने वाला।

   (iv)विग्रह: विद्युत + मान
   भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "विद्युत" (बिजली) और "मान" (मानक या रूप) मिलकर "विद्युत्मान" (बिजली से संबंधित) का अर्थ बनाते हैं।
   (v) विशेषता: अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय (बिना रूप बदलने वाला) होता है और दूसरा पद संज्ञा या विशेषण होता है।
   उदाहरण: "यथाशक्ति" (शक्ति के अनुसार) में "यथा" (अव्यय) और "शक्ति" (संज्ञा) मिलकर नया अर्थ उत्पन्न करते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) ज्यों की त्यों बनी हुई है
   (ii) रफूचक्कर हो गया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)नौ दो ग्यारह होना: अचानक भाग जाना।
पांचों उंगलियां घी में होना: हर तरह से सुखी होना।
(iv)वह हर छोटी-छोटी बात पर बाल की खाल निकालने लगता है।
(v) मुहावरा: गागर में सागर भरना।
वाक्य: इस किताब में लेखक ने अपने विचारों को गागर में सागर भरने जैसी शैली में प्रस्तुत किया है।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सेवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ़्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब न सोलोमेन है जो उनकी जुबान को समझकर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुखों में सारी रात नमाज़ों में काटे।

(i) **(ख)** उनकी जुबान को समझ इनका दुख बांटने वाला कोई नहीं है
व्याख्या:
उनकी जुबान को समझ इनका दुख बांटने वाला कोई नहीं है

(ii) **(घ)** बड़े कबूतरों को
व्याख्या:
बड़े कबूतरों को

(iii) **(घ)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) **(क)** लेखक के परिवार को बहुत परेशान करते थे
व्याख्या:
लेखक के परिवार को बहुत परेशान करते थे

(v) **(क)** जंगल
व्याख्या:
जंगल

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कहानी में बड़े भाई ने घमंड को इंसान की एक कमजोरी बताया है।अपनी बात को साबित करने के लिए उन्होंने रावण और शैतान के उदाहरण दिए हैं। रावण अंग्रेज़ों से भी बड़ा राजा था, किंतु घमंड के कारण उसका अंत हो गया। शैतान को घमंड के कारण नरक भोगना पड़ा। शाहेरूम को भीख माँगनी पड़ी और भीख माँगते-माँगते ही वह मर गया। यदि कोई व्यक्ति अपने किसी गुण पर घमंड करेगा, तो उसका हाल भी इन तीनों जैसा ही होगा |

(ii) तताँरा एक भला और सबकी मदद करने वाला व्यक्ति था। वह हमेशा दूसरों की सहायता के लिए तैयार रहता था। लेकिन जब लोगों को तताँरा और वामीरों के प्रेम का पता चला, तो गाँव के लोग भी उसके विरुद्ध हो गए। दोनों अलग-अलग गाँव से थे और उस समय के रीति-रिवाज़ों के अनुसार अलग-अलग गाँव के निवासियों के बीच विवाह संभव नहीं था। इस कारण उन्होंने वामीरों के मामले में साथ नहीं दिया।

(iii)वजीर अली के दिल में अंग्रेजों के प्रति नफरत थी क्योंकि वह एक सच्चा देशभक्त था और वो नहीं चाहता था कि अंग्रेज हिंदुस्तान पर शासन करें। इसी कारण से वो अपने शासन में अपने क्षेत्र में अंग्रेजों का प्रभाव नहीं पड़ने दिया और साथ उनके अत्याचारों के प्रति भी आवाज उठाई।

(iv)सैल्यूलाइड का अर्थ है-फिल्म को कैमरे की रील में उतारकर चित्र प्रस्तुत करना। 'तीसरी कसम' फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता कहने के पीछे कारण यह था कि यह फिल्म अपने में सघन, सूक्ष्म और और गहरी भावनाओं को संजोए थी।' तीसरी कसम 'आम मसाला फिल्मों से हटकर है। इसमें गाँव के जीवन का बड़ा ही सटीक चित्रण हुआ है। यह एक फिल्म की तरह अनुभूति न कराकर एक कविता के समान अनुभूति कराती थी। मानो कि सैल्यूलाइड की फिल्म पर कविता उतार दी गयी हो। इस फिल्म को देखने वाले दर्शक को इस फिल्म को देखने पर एक कविता के मधुर प्रवाह जैसा अनुभव होता है। इन्हीं सब कारणों की वजह से इस फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता कहा गया।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों

(i) **(घ)** बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे।
व्याख्या:
बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे।

(ii) **(ग)** बलिदानी सैनिकों के काफिलों को
व्याख्या:
बलिदानी सैनिकों के काफिलों को

(iii) **(क)** देश पर बलिदान होने की ओर
व्याख्या:
देश पर बलिदान होने की ओर

(iv) **(घ)** जीत की खुशी
व्याख्या:
जीत की खुशी

(v) **(ख)** देश पर मर मिटने वालों के लिए
व्याख्या:
देश पर मर मिटने वालों के लिए

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) कवयित्री मीरा अपने प्रभु की भक्ति में डूबकर उनका सामीप्य और दर्शन पाना चाहती हैं। इसके लिए वे चाहती हैं कि श्रीकृष्ण उन्हें अपनी चाकरी में रख लें। मीरा बाग लगाना चाहती हैं ताकि श्रीकृष्ण वहाँ घूमने आएँ और उन्हें दर्शन मिल सके। वे श्रीकृष्ण का गुणगान ब्रज की गलियों में करती हुई घूमना-फिरना चाहती हैं। मीरा विशाल भवन में भी बगीचा बनाना चाहती हैं ताकि उस बगीचे में घूमते श्रीकृष्ण के दर्शन कर सके। वे श्रीकृष्ण का सामीप्य पाने के लिए कुसुम्बी रंग की साड़ी पहनती हैं और अपने प्रभु से प्रार्थना करती हैं कि वे आधी रात में जमुना के किनारे मिलने की कृपा करें क्योंकि इस मिलन के लिए उनका मन बेचैन हो रहा है।

(ii) इस कविता में कवि सुमित्रानंदन पंत जी ने पर्वतीय इलाके में वर्षा ऋतु का सजीव चित्रण किया है। पर्वतीय प्रदेश में वर्षा ऋतु होने से वहाँ प्रकृति में पल-पल बदलाव हो रहे हैं। पर्वतों की ऊँची चोटियों से सर-सर करते बहते झरने देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानों झरने पर्वत के गौरव का गुणगान करते हुए झर-झर बह रहे हैं। इन झरनों की करतल ध्वनि कवि के नस-नस में उत्साह का संचार करती है। पर्वतों पर बहने वाले झाग भरे झरने कवि को मोती की लड़ियों के समान लग रहे हैं जिससे पर्वत की सुंदरता में और निखार आ रहा है।

(iii) कवि ने व्यर्थ उस जीवन को बताया है जो मनुष्य दूसरों के लिए कुछ नहीं करता। स्वार्थी और स्वयं के हित में ही रहने वाले लोग दूसरों की चिंता नहीं करते और पशु समान प्रवृतियों को दिखाते हैं। उन्हें सिर्फ अपना फायदा-नुकसान दिखता है और उन्हें किसी और की चिंता नहीं होती। इस प्रकार के व्यक्ति के जीवन को कवि ने व्यर्थ बताया है।

(iv) विरासत में मिली चीजों का बहुत बड़ा महत्व इसलिए होता है, क्योंकि वे हमें अपने पूर्वजों से प्राप्त होती हैं। विरासत में मिली इन चीजों में हम अपने पूर्वजों की उपस्थिति को महसूस कर सकते हैं। इन चीजों का अपना महत्त्व और इतिहास होता है। उदाहरण के लिए 1857 की तोप जो कम्पनी बाग के प्रवेश द्वार पर स्थित है वह हमें अंग्रेजों द्वारा सौंपी गई थी, जिसकी सँभाल भी की जाती है। इनसे हमें प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के वारे में पता चलता है। साथ ही भविष्य के प्रति सावधान रहने की प्रेरणा मिलती है।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) महंत का चरित्र उत्तम नहीं था। वह नाम मात्र का ही महंत था। अंदर से वह ढोंगी और धन का लालची था। उसकी नज़र हरिहर काका की ज़मीन पर थी। उनके घर की आपसी कलह का वह लाभ उठाना चाहता था। जब हरिहर काका ने ज़मीन ठाकुरबाड़ी के नाम लिखने से मना कर दिया तो वह उनका अपहरण करवा लेता है। यह घटना महंत के चारित्रिक पतन की ओर संकेत करती है। ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओं में इस तरह की घटना होना धार्मिक उन्माद फैलाना है। महंत जैसे लोभी और ढोंगी आज ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रकार की संस्था का उद्देश्य समाज में केवल अंधविश्वास और पाखंड फैलाना है।

(ii) पाठ के अभिभावकों की तरह आजकल के कुछ अभिभावक अपने बच्चों को खेलकूद में रूचि लेने से रोकते हैं। उन्हें लगता है कि खेलने-कूदने से समय बर्बाद होता है इसलिए वे अपने बच्चों को केवल और केवल पढ़ाई करने की सलाह देते हैं। सही मायने में यह सही नहीं है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी आवश्यक है। जहाँ एक ओर पढ़ाई-लिखाई से बच्चों का मानसिक विकास होता है वहीं दूसरी ओर खेलकूद उनके शारीरिक विकास के लिए अत्यावश्यक है। बच्चों का सर्वांगींण विकास ही उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुँचाने में सक्षम होता है। अतः पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी उनके लिए आवश्यक है।

(iii) हमारा मित्र यदि दूसरे मज़हब का है और वह हमारे घर पर आता है तो हम उसका प्रेमपूर्वक स्वागत करेंगे। उसे आदर से बैठने को कहेंगे और उसके साथ खेलेंगे, उससे प्रेमपूर्वक बातें करेंगे। इफ्फन की दादी टोपी से प्रेमपूर्वक मिलती थीं और उससे स्नेह करती थीं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि टोपी हिन्दू है। इसी प्रकार हमारे घर के सदस्य भी हमारे मित्र से स्नेहपूर्ण बातें करेंगे। मैं अपने मित्र को इस बात का एहसास भी नहीं होने दूंगा कि वो हमारे मज़हब का नहीं है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) **जल ही जीवन है**

पृथ्वी पर रहने वाले हर एक प्राणी के लिए जल जरूरी और क्योंकि इस पर मनुष्यों की निर्भरता भी बहुत अधिक है, इसलिए जल एक अहम संसाधन है। जल का उपयोग रोजमर्रा के कामों से लेकर कृषि और विभिन्न उद्योगों में किया जाता है। जल के बिना ज्यादा समय तक धरती पर जीवन संभव ही नहीं है, इसलिए जल को जीवन बताया गया है।

जल को जीवन का आधार माना गया है, क्योंकि जल के बिना जीवन संभव नहीं है फिर चाहे वो मनुष्य जीव हो या पेड़-पौधे आदि। जल का उपयोग खाने में, पीने के पानी के अलावा हमारे दैनिक कार्य, कृषि, विभिन्न उद्योगों के लिए किया जाता है। इसलिए जल मानव जीवन के उन मूल्यवान संसाधनों में से एक है, जो हमें प्रकृति ने भेंट दिया है। जल एक ओर हमारे जीवन का हिस्सा है और हमारे शरीर के लिए आवश्यक है, वहीं अगर साफ पानी का सेवन न किया जाए तो यह आपको गंभीर रूप से बीमार भी कर सकता है। और आश्चर्य की बात है कि पृथ्वी पर 71 प्रतिशत पानी मौजूद होने के बाद भी केवल 1 प्रतिशत ही पानी पीने लायक है। इसलिए जल संरक्षण बहुत जरूरी है।

ऐसे कई देश हैं जहां सूखे की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है और लोगों को पीने का पानी तक मुश्किल से मिल पाता है। ऐसे में कृषि के लिए पानी उपयुक्त नहीं होता और लोग भूख और प्यास जैसी एक बड़ी समस्या से जूझ रहे है। इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए हमें पानी का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए जितना उपयुक्त हो।

हमें ध्यान रखना होगा कि हम जब नल का उपयोग करे तो थोड़ा ही पानी खोले। कोशिश करें कि घर के दैनिक कामों के लिए पानी पुनः उपयोग कर लें। बारिश के पानी को जमा कर के पेड़ पौधों को पानी देने में इस्तेमाल करें। जो पानी गंदा हो या पीने लायक न हो उसका उपयोग घर की साफ-सफाई में कर सकते हैं। हमे आने वाली पीढ़ी के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों को बचाना होगा और इसके लिए जरूरी है कि इन संसाधनों का उपयोग हम समझदारी से करें। पानी का मूल्य हम सब को जानना चाहिए ताकि हम उसे बचाकर आने वाली पीढ़ी के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। जल ही जीवन है और हम सब को जीने के लिए इसकी अति आवश्यकता है। इसलिए इसका संरक्षण करना हम सब को आना चाहिए।

(ii) यह कहावत हमें परोपकार के महान मूल्य की ओर इशारा करती है। इसका अर्थ है कि दूसरों की भलाई करना सबसे बड़ा धर्म है। यानी, दूसरों की सेवा करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो न केवल उनके जीवन में खुशी लाते हैं, बल्कि खुद को भी आंतरिक शांति और संतुष्टि प्राप्त होती है। परोपकार करने से हमें जीवन का सच्चा आनंद मिलता है। यह हमें एक सार्थक जीवन जीने में मदद करता है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान देते हैं।

इसलिए, हमें अपने जीवन में परोपकार को प्राथमिकता देनी चाहिए। चाहे वह किसी की मदद करना हो, किसी जरूरतमंद को दान देना हो या किसी की भावनाओं का ख्याल रखना हो, हर छोटा-मोटा काम हमारे जीवन को सार्थक बनाता है।

(iii) मनुष्य सामाजिक प्राणी है। परस्पर सहयोग उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। परस्पर सहयोग के अभाव में समाज का अस्तित्व ही नहीं रह जाता। व्यक्ति को पग-पग पर दूसरों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। व्यास जी ने कहा है-परहित साधन ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। परोपकार के समान दूसरा धर्म नहीं है। परोपकार का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। मेघ दूसरों के लिए वर्षा करते हैं, वायु दूसरों के लिए चलती है तथा सरिता भी दूसरों की प्यास बुझाने के लिए बहती है। पुष्पअपनी सुगन्ध बिखेरकर, वृक्ष स्वयं धूप सहकर और पथिकों को छाया प्रदान करके हमें परोपकार की प्रेरणा देते प्रतीत होते हैं। परोपकार करने वाला मनुष्य पूज्य बन जाता है। परहित के कारण गाँधी जी ने गोलियाँ खाईं, सुकरात ने जहर पिया तथा राजा शिवि ने बाज के आक्रमण से भयभीत कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का माँस दिया, ऋषि दधीचि ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपनी अस्थियाँ दान करके सम्पूर्ण मानवता को वृत्रासुर के अत्याचारों से मुक्त कराया। बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों ने तृप्त मानवता को परोपकार का पावन मार्ग दिखाया। पंचशील का सिद्धान्त भी परोपकार की ही देन है। अपने लिए तो पशु भी जी लेते हैं। परोपकार इसी कारण मानवीय वृत्ति है। मनुष्य की परिभाषा देते हुए कवि ने कहा है- वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए।

13. सेवा में,

नगर निगम जयपुर

जयपुर।

विषय - नालियों की सफाई व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के संदर्भ में।

महोदय,

श्रीमानजी, इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र बरकत नगर की सफाई व्यवस्था की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र बरकत नगर में सभी नाले व नालियाँ गंदगी से भरे पड़े हैं तथा उनका गंदा पानी गलियों में बह रहा है। बारिश का मौसम भी शुरू हो चुका है जिसके कारण चारों ओर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसमें मक्खियाँ व मच्छर पनप रहे हैं जिससे लोगों का जीवन बेहाल हो गया है। साथ ही मलेरिया, डेंगू फैलने का खतरा बना है।

आजकल तो वैसे भी स्वच्छ भारत अभियान भी चल रहा है। अतः आपसे अनुरोध है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कृपया नालियों की सफाई व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव की समुचित व्यवस्था के लिए उचित कार्यवाही करें।

धन्यवाद।

भवदीय,

मुकेश कुमार

बरकत नगर

दिनांक 20/8/20XX

अथवा

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पालम कॉलोनी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
विषय: शुल्क-मुक्ति हेतु प्रार्थना-पत्र
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं इस विद्यालय की नौवीं-अ कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिता जी एक प्राइवेट फैक्ट्री में कंप्यूटर ऑपरेटर हैं, जिनका वेतन कम है। घर में कुल छह सदस्य हैं, जिनका निर्वाह पिता जी की कमाई पर निर्भर है। मेरा एक छोटा भाई भी इस स्कूल की छठी कक्षा का छात्र है। हम दो भाइयों की फीस देना पिता जी के लिए काफी मुश्किल हो रहा है। मैंने पिछली कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। मैं विद्यालय की कबड्डी टीम का सदस्य हूँ।
आपसे प्रार्थना है कि मेरी फीस माफ करने की कृपा करें ताकि मैं अपनी पढ़ाई आगे भी जारी रख सकूँ। आपकी इस कृपा के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
बलवंत कुमार,
कक्षा- IX - अ
अनु. - 2

14.

इलियट अपार्टमेन्ट, पालम

सूचना

30 मार्च, 2019

सोसाइटी के सभी सदस्आयों को सूचित किया जाता है कि आजकल सोसाइटी में जहाँ - तहां पत्ते, प्लास्टिक, गंदगी नज़र आने लगी है। आपसे निवेदन है कि घर के सभी सदस्यों को जागरूक करें ताकि वे ऐसा न करें।
वातावरण की स्वच्छता बनाए रखने हेतु यह कदम उठाया जा रहा है। यदि कोई गंदगी फैलाते हुए देखा गया तो उसे निर्धारित जुर्माना भरना होगा।
अध्यक्ष
इलियट अपार्टमेंट

अथवा

सागर अपार्टमेंट, रोहिणी, दिल्ली

सूचना
जल की बर्बादी रोकने के संदर्भ में

आप सभी को यह सूचित किया जाता है कि हमारे अपार्टमेंट में जल की कमी हो रही है। बड़े ही दुःख के साथ यह सूचित किया जा रहा है कि अपार्टमेंट के कुछ सदस्यों द्वारा जल का अनुचित व्यय किया जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि जल हमारे जीवन के लिए कितना आवश्यक हैं। जल के बिना जीवन नहीं है। अतः आप सभी से यह अनुरोध है कि कृपया जल के इस अपव्यय की रोकथाम करने में हमारा सहयोग करें व अन्य लोगों को भी जागरूक करें।
सचिव
रणजीत कुमार

15.

फ़ोन..... फ़ोन..... फ़ोन

ड्यूल सिम फ़ोन सिर्फ़ और सिर्फ़ रू 7,800/-	फ्रंट कैमरा 4 जी बी इंटरनल मेमोरी

जीवो फ़ोन

अथवा

सेल ! सेल ! सेल !
सुनहरा मौका
जल्दी आओ जल्दी पाओ, बिल्कुल सस्ते दाम में कार अपने नाम करो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. पुरानी कार के दाम पर एकदम नई कार,
ii. तीन वर्ष पुरानी चमचमाती कार, जिसका रंग हल्का काला है,
iii. कीमत दो लाख रूपये मात्र,
iv. संपर्क पता- लल्लन राम, सेक्टर-6, बिजली टोली, रायपुर, (छ.ग.)। मो.- 74xxxxxx403

16. From: pawan@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु
महोदय,
मैं कक्षा 10 का नियमित छात्र हूँ। जैसा कि आप जानते हैं कि आजकल मौसम तेजी से परिवर्तित हो रहा है और आस-पास काफी लोग बीमार पड़ रहे हैं, उसी बदलते मौसम के कारण मुझे भी सर्दी का भयंकर प्रकोप होने से तेज बुखार आ गया है। इसी वजह से मैं कक्षा में उपस्थिति दर्ज कराने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने दो दिन की नियमित दवाई के साथ आराम करने की सलाह भी दी है।
अतः मैं दिनांक 17.04.22 एवं 18.04.22 का अवकाश चाहता हूँ। कृपया उक्त दो दिनों का अवकाश स्वीकृत करने का कष्ट करे।
पवन

अथवा

एक बार मैं अपने माता-पिता और बहन के साथ लद्दाख की पहाड़ियों पर चढ़ाई करने जा रहा था। इसलिए हम सुबह साढ़े चार बजे उठ गए। इतनी ठंड होने के बावजूद हम किसी तरह नहाकर जब बाहर निकले तो ठंड से हमारे पैर सुन्न हो गए। हम गाड़ी में बैठकर पहाड़ के पास जा रहे थे। रास्ते में कुछ पहाड़ियों पर बर्फ गिरते देख मेरी बहन डरने लगी। मैंने और मेरे माता-पिता ने उसका हौसला बढ़ाया तो उसमें जोश आ गया।
लद्दाख की पहाड़ियों तक पहुँचने का रास्ता बहुत सँकरा था इसलिए यातायात बहुत धीमी गति से बढ़ रहा था। बर्फबारी के कारण कुछ गाड़ियों के इंजन खराब हो गये तथा कुछ गाड़ी के टायर बर्फ में फँस गये थे। थोड़ा आगे बढ़ने पर हमारी गाड़ी में भी खराबी आ गयी। लेकिन हमने हौसला नहीं हारा। जिस पहाड़ पर हमें चढ़ना था उस पर बर्फ जमी थी। इतनी दूर आकर चढ़ाई पूरी किए बिना ना लौटने का संकल्प लेकर हमने चढ़ाई शुरू की। ऊपर चढ़ते हुए हमारे मार्गदर्शक के पैर में मोच आ गयी, जिसके कारण वह आगे हमारे साथ नहीं जा सकता था। अब चढ़ाई धीरे-धीरे और मुश्किल होने लगी। लेकिन हमने हिम्मत नहीं हारी और अपनी मेहनत से चढ़ाई पूरी की। नीचे उतरने पर ऐसे लगा मानो हमने कोई जंग जीत ली हो।
सीख- इसे देखकर मन में विचार आया कि परिश्रम ही सफलता की सीढ़ी है। परिश्रम से ही सफलता पाई जा सकती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in